महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

पुस्तक विमर्श के अंतर्गत 'हिंद स्वराज' पर चर्चा

वर्धा दि. 20 फरवरी 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में पुस्तक विमर्श के अंतर्गत महात्मा गांधी द्वारा लिखित पुस्तक 'हिंद स्वराज' पर चर्चा का आयोजन शिक्षा विभाग के विभागीय पुस्तकालय में किया गया। इस चर्चा में आवासीय लेखक मदन सोनी, केंद्रीय विद्यालय संगठन के जबलपुर क्षेत्रीय कार्यालय में सहायक आयुक्त जी. पी. चौहान, केंद्रीय विद्यालय, कामठी के प्राचार्य जे. के. रामटेके तथा शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अरबिंद कुमार झा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संदीप कुमार ने किया तथा आयोजन में शिक्षा विभाग की सहायक प्रोफेसर निधि गौड़ एवं सहायक प्रोफेसर धर्मेंद्र शंभरकर की भूमिका रही। इस दौरान मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर अरूण प्रताप सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

विश्वविद्यालय में पुस्तक विमर्श पाठक और पुस्तक के लेखक के बीच संवाद स्थापित करने हेतु बनाया गया एक मंच है। यह पाक्षिक मंच है और इसका आयोजन शिक्षा विभाग के विभागीय पुस्तकालय में किया जाता है जिसमें पाठक मध्यस्त की भूमिका में होता है। पुस्तक का पाठक पढ़ी गई पुस्तक पर अपनी राय व्यक्त करता है। इसकी पहली कड़ी में हिंद स्वराज पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में अध्यापक एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे।